भजन

तर्ज... पिया तोसे नैना

पिया तोरे बैना लागे रे
बैना सुन सुन रूह जागे रे

1) बैन तोरे लागे जिस दिन, मिट जाए अन्धेरा
सुध वतन की आऐ सारी, मूल सनमंध मेरा
याद जब तेरी आये रे...
राह देखूँ उस घड़ी की, जिस घड़ी हो मिलन हमरा
पिया तोरे...

2) आई माहे आई, सुध मोहे आई, बिन तेरे कुछ भी न भाए रे
पिया तोरी प्यारी,कह-कह हारी,जाये अब कुछ कहा भी न जाऐ रे
तुम धनी मेरे जानो सब कुछ, तुम पिया मेरे जानो सब कुछ
पिया.....